निरीक्षण | गर्भवती महिलाओं की सुविधाओं, पोषण पुनर्वास केंद्र, पल्स पोलियो तैयारियों एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा

# मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

**नवभारत, बुढ़ार।** जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राजेश मिश्रा ने शुक्रवार, 26 जून 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन तथा अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. मिश्रा ने सबसे पहले प्रसूति एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, सोनोग्राफी, प्रसव सेवाओं तथा ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही उच्च जोखिम (हाई-रिस्क) वाली गर्भवती महिलाओं की जांच, उपचार एवं नियमित निगरानी की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद गर्भवती महिलाओं से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय सुविधाओं और स्टाफ के व्यवहार के संबंध में जानकारी प्राप्त की।इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का निरीक्षण किया। यहां भर्ती कुपोषित बच्चों एवं उनकी माताओं से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य, उपचार, पोषण आहार तथा अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों एवं माताओं को गुणवत्तापूर्ण उपचार के साथ-साथ बेहतर पोषण एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए।

डॉ. मिश्रा ने अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की स्थिति तथा अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से उपचार, दवा वितरण, जांच सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया और अधिकारियों को मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आगामी पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने, शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, स्वच्छता व्यवस्था, दवा उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन की भी समीक्षा की। उन्होंने मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, बुढार डॉ. सचिन कारखुर को निर्देशित किया कि सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण एवं सहज स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार का समस्त चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को उपलब्ध कराई।

# खैरहा भूमिगत खदान से रोज 4000 टन कोयला उत्पादन

उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी. हरी बाबू के नेतृत्व में बदली खदानों और श्रमिक कॉलोनियों की तस्वीर

**नवभारत, राजेंद्रा ।** एसईसीएल सोहागपुर एरिया की भूमिगत खदानें इन दिनों कोयला उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। क्षेत्र की प्रमुख भूमिगत खदान खैरहा में प्रतिदिन लगभग 4000 टन कोयले का उत्पादन किया जा रहा है, जिसे प्रबंधन और श्रमिकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। कोयला उत्पादन के बढ़ते आंकड़ों ने न केवल सोहागपुर एरिया की पहचान को मजबूत किया है, बल्कि यह भी साबित किया है कि बेहतर प्रबंधन, योजनाबद्ध कार्यप्रणाली और श्रमिकों की मेहनत से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। जानकारों के अनुसार, उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी. हरी बाबू द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद से खदानों की कार्यप्रणाली में लगातार सुधार देखने को मिला है। उन्होंने उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा, संसाधनों के बेहतर उपयोग और श्रमिक हितों को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनके नेतृत्व में खदानों में कार्य करने की व्यवस्था अधिक व्यवस्थित हुई है, जिसका सीधा प्रभाव उत्पादन पर भी दिखाई दे रहा है।

सोहागपुर एरिया की भूमिगत खदानों में वर्तमान में जिस स्तर पर उत्पादन हो रहा है, वह क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। खैरहा भूमिगत खदान में प्रतिदिन 4000 टन कोयला उत्पादन का आंकड़ा यह दर्शाता है कि खदानों में तकनीकी दक्षता और कार्य प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने में अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों की टीम भावना की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके साथ ही राजेंद्रा परियोजना में भी कोयला उत्पादन की गतिविधियां लगातार आगे बढ़ रही हैं। यहां से भी उत्पादन शुरू हो चुका है और प्रबंधन को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इस परियोजना से उत्पादन में और तेजी आएगी। यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो राजेंद्रा परियोजना भी जल्द ही क्षेत्र की प्रमुख उत्पादक इकाइयों में शामिल हो सकती है। इससे न केवल कंपनी को लाभ होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कोयला उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी. हरी बाबू ने खदानों में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में भी विशेष ध्यान दिया है।

क्षेत्र में संचालित संडे और ओटी कार्यों पर भी प्रबंधन का प्रभावी नियंत्रण देखने को मिल रहा है।राजेंद्रा मे अक्सर देखा जाता है की एक यूनियन के नेताओं को व उनके सदस्यों को विशेष रूप से सन्डे ओ, टी दिया जाता है जिससे अन्न श्रमिकों के अंदर असंतोष की भावना पैदा होती है इन्हीं बातो को लेकर उत्पादन और श्रमिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी की जा रही है। इससे कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है, जिसका लाभ पूरे क्षेत्र को मिल रहा है। यदि कर्मचारियों की समस्याओं की बात करें तो इस दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। श्रमिकों की शिकायतों का निराकरण पहले की तुलना में अधिक तेजी से किया जा रहा है। कर्मचारियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। यही वजह है कि श्रमिकों के बीच भी प्रबंधन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है ।

एक नजर में

## प्लास्टिक मुक्त समाज बनाना हम सबकी जिम्मेदारी : जेना

**नवभारत, धनपुरी ।** स्वच्छता ही राष्ट्र की पहचान, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाना हम सबकी जिम्मेदारी' महाप्रबंधक बी.के. जेना इसी संदेश के साथ एसईसीएल के सोहागपुर क्षेत्र में शुक्रवार को व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के तहत सोहागपुर क्षेत्रीय कार्यालय से सुबह लगभग 10 बजे एक विशाल स्वच्छता रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व क्षेत्र के महाप्रबंधक बी.के. जेना ने किया। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रबंधक बी.के. जेना के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद महाप्रबंधक श्री जेना ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने प्रेरक संबोधन में महाप्रबंधक बी.के. जेना ने कहा कि 'किसी भी राष्ट्र की सुंदरता उसकी स्वच्छता पर आधारित होती है। यदि हमारा घर, कार्यालय, कार्यस्थल और आसपास का वातावरण साफ-सुथरा रहेगा तो समाज स्वस्थ, सुंदर और समृद्ध बनेगा। स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अपनाने से अनेक संक्रामक बीमारियों से बचाव संभव है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक साफ-सफाई बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी स्वच्छता अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। महाप्रबंधक बी.के. जेना ने अपने संबोधन में विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक (सिंगल यूज प्लास्टिक) के दुष्प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक की थैलियां और अन्य प्लास्टिक उत्पाद पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से संकल्प लेने का आग्रह किया कि वे प्लास्टिक की थैलियों और प्लास्टिक से बनी अन्य वस्तुओं का उपयोग नहीं करेंगे तथा उनकी जगह कपड़े अथवा जूट के थैलों का प्रयोग करेंगे। साथ ही अनावश्यक रूप से प्लास्टिक की बोतलों के उपयोग से भी बचने का संदेश दिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने 'स्वच्छ रहो, स्वस्थ रहो प्लास्टिक छोड़ो, पर्यावरण जोड़ो स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

**स्वच्छता का लिया संकल्प**

रैली में शामिल सभी लोगों ने नगर, कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। महाप्रबंधक बी.के. जेना ने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास सफाई रखे और प्लास्टिक का उपयोग कम करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। महाप्रबंधक बी.के. जेना ने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। यदि प्रत्येक नागरिक स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बना ले, तो एक स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत का निर्माण निश्चित रूप से संभव है।

# सेफक्लिक 2 .0 अभियान के तहत साइबर जागरूकता कार्यक्रम

**नवभारत, शहडोल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश पुलिस के निर्देशन में प्रदेशव्यापी सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के तहत शहडोल जिले में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।8 जुलाई तक चलने वाले इस विशेष 15 दिवसीय अभियान का उद्देश्य नागरिकों को बढ़ते साइबर अपराधों, डिजिटल फ्रॉड, डीपफेक, फर्जी ऑनलाइन निवेश योजनाओं एवं तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों के प्रति जागरूक एवं सतर्क बनाना है।

पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देशन में जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम, साइबर चौपाल, रैली, जनसंवाद, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर विशेष सत्र तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से साइबर चौपालों के माध्यम से आमजन को ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं।इसी क्रम में बुधवार को थाना कोतवाली, सोहागपुर, सिंहपुर, जैतपुर, पपौंध, देवलोंद, अमलाई, ब्यौहारी, धनपुरी, बुढ़ार सहित चौकी केशवाही एवं दर्शिला क्षेत्र के विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा बाजार-हाटों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी दी गई। अभियान का मुख्य संदेश थ्रिंक बिफोर यू क्लिकष् (क्लिक करने से पहले सोचें) रखा गया है। नागरिकों से अपील की जा रही है कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, अज्ञात ई-मेल अटैचमेंट खोलने, मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी साझा करने अथवा किसी अनजान व्यक्ति को बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी देने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें।वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया को देखते हुए विद्यार्थियों को फर्जी नौकरी के प्रस्ताव, ऑनलाइन गेमिंग, लॉटरी तथा अन्य साइबर धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी जानकारी प्रदान की जा रही है। शहडोल पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते ठगी गई राशि को सुरक्षित किया जा सके और अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

# राष्ट्रीय सामाजिक यथार्थ एवं नीति परामर्श परिषद गठन की मांग

**नवभारत, शहडोल ।** अधिवक्ता संतोष कुमार शुक्ल ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को पत्र प्रेषित कर देश की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक स्थिति के सतत अध्ययन तथा नीतिगत परामर्श के लिए एक स्वतंत्र एवं वैधानिक संस्था प्राष्ट्रीय सामाजिक यथार्थ एवं नीति परामर्श परिषदष के गठन की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक देश में जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक स्तर पर संचालन किया जाता है, लेकिन कई बार अभिलेखीय आंकड़ों और आम जनता की वास्तविक परिस्थितियों के बीच अंतर देखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियां अत्यंत जटिल हो गई हैं तथा अनेक नागरिक बेरोजगारी, ऋणग्रस्तता, सामाजिक असुरक्षा सहित अन्य समस्याओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे नीति निर्माण के लिए उपलब्ध सूचनाएं पूर्णतः यथार्थपरक नहीं हो पातीं। शुक्ल ने मांग की है कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र एवं राजनीतिक प्रभाव से मुक्त परिषद का गठन करे, जिसमें समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, विधि, पर्यावरण, श्रम, स्थानीय स्वशासन और जननीति के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। परिषद को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निरंतर सर्वेक्षण, क्षेत्रीय अध्ययन और जनसंवाद आयोजित करने का अधिकार दिया जाए तथा उसकी रिपोर्ट संसद के समक्ष प्रस्तुत कर सार्वजनिक की जाए।उन्होंने प्रत्येक राज्य में राज्य स्तरीय तथा प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय सामाजिक यथार्थ अध्ययन एवं परामर्श प्रकोष्ठ स्थापित करने, ग्राम सभाओं एवं नगरीय निकायों से प्राप्त सुझावों को अध्ययन प्रक्रिया से जोड़ने तथा शासन की योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों और जमीनी प्रभाव का स्वतंत्र मूल्यांकन कराने की भी मांग की है। अधिवक्ता संतोष कुमार शुक्ल का कहना है कि इस प्रकार की व्यवस्था से योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ेगी, वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान अधिक सटीक होगी, शासन और समाज के बीच विश्वास मजबूत होगा तथा नीति निर्माण अधिक तथ्यपरक एवं जनोन्मुखी बन सकेगा।

## 7 .50 लाख की पुलिया निर्माण पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप बिना सूचना बोर्ड के हो रहा निर्माण, गुणवत्ता जांच की मांग

**नवभारत, ब्यौहारी।** जनपद पंचायत ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम पंचायत रसपुर कोलान टोला में लगभग 7.50 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन पुलिया की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। निर्माण स्थल का निरीक्षण करने पर पाया गया कि पुलिया के बेस का कार्य सही तरीके से नहीं किया गया है तथा निर्माण में 10 एमएम गिट्टी का उपयोग किया गया है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया के तकनीकी स्वीकृति (टीएस) पर भी संदेह है, क्योंकि पुलिया दोनों ओर के क्षेत्र को पर्याप्त रूप से कवर नहीं कर रही है। ऐसे में बरसात के दौरान दोनों तरफके लोगों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल सकेगा। वहीं पुलिया की बीम को भी कमजोर बताया जा रहा है। आरोप है कि ढलाई के कुछ समय बाद ही पुलिया से गिट्टियां निकलने लगी हैं, जिससे निर्माण की मजबूती पर प्रश्नचिह्न लग गया है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में मजदूरों की संख्या नाममात्र की है और अधिकांश कार्य मशीनों के माध्यम से कराया जा रहा है। साथ ही निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है, जबकि नियमानुसार कार्य प्रारंभ होने से पहले निर्माण संबंधी पूरी जानकारी वाला बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत के जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा मनमाने ढंग से कार्य कराया जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर से पुलिया निर्माण की तकनीकी एवं गुणवत्ता संबंधी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

# 880 नशीले इंजेक्शन व 53 .6 ग्राम स्मैक जब्त

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई नशा कारोबारियों में मचा हड़कंप

**नवभारत, शहडोल।** जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान कोतवाली पुलिस ने 880 नग नशीले इंजेक्शन एवं 53.6 ग्राम स्मैक जब्त कर अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से जिले सहित पूरे संभाग में अवैध नशा कारोबारियों के बीच हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में लगातार मिल रही सूचनाओं और नशे के बढ़ते कारोबार को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन और 53.6 ग्राम स्मैक बरामद की गई।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि जब्त किए गए मादक पदार्थों की आपूर्ति जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में की जानी थी। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नशीले पदार्थ कहां से लाए गए और इनके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस को इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है।

जानकारों के अनुसार शहडोल संभाग में एक साथ इतनी बड़ी मात्रा में स्मैक की बरामदगी का यह पहला मामला माना जा रहा है। इससे पहले जिले में इतनी बड़ी मात्रा में स्मैक जब्त नहीं की गई थी। पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध नशा कारोबार के खिलाफबड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।थाना प्रभारी कोतवाली ने बताया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। नशीले पदार्थों की तस्करी, बिक्री अथवा सेवन को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने भी स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और नशे के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

अभियान | छात्रों को दी महत्वपूर्ण जानकारी, डिजिटल फ्रॉड, डीप फेक और फर्जी निवेश योजनाओं से बचाव के बताए उपाय

# साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने पुलिस पहुंची स्कूल

**नवभारत,धनपुरी।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्य प्रदेश पुलिस के निर्देशन में प्रदेशभर में संचालित किए जा रहे 15 दिवसीय 'सी-क्लिप 2.0' साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह विशेष अभियान 8 जुलाई तक जिले भर में संचालित किया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें डिजिटल सुरक्षा के प्रति सचेत बनाना है। इसी क्रम में अमलाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित कान्वेंट स्कूल में एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अमलाई थाना प्रभारी एवं नगर निरीक्षक भूपेंद्र मणि पांडे ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद स्थापित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में इंटरनेट और डिजिटल तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसके साथ-साथ साइबर अपराधों में भी लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति के लिए साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। नगर निरीक्षक भूपेंद्र मणि पांडे ने छात्रों को डिजिटल फ्रॉड, फर्जी ऑनलाइन निवेश योजनाएं, सोशल मीडिया हैकिंग, ओटीपी फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी, फिशिंग लिंक, साइबर बुलिंग, डीप फेक वीडियो और तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे गंभीर साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराधी नई-नई तकनीकों का उपयोग कर लोगों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास करते हैं, इसलिए किसी भी अनजान कॉल, मैसेज, लिंक या निवेश प्रस्ताव पर बिना जांच-पड़ताल के विश्वास नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी अथवा पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई। उन्होंने डीप फेक तकनीक के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आजकल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से किसी भी व्यक्ति की फोटो, वीडियो अथवा आवाज को बदलकर भ्रामक सामग्री तैयार की जा सकती है। ऐसे वीडियो और ऑडियो पर तुरंत विश्वास करने के बजाय उनकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी होती है तो तुरंत 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, जिससे समय रहते कार्रवाई कर आर्थिक नुकसान को कम किया जा सके। व साइबर अपराधों से बचने के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई तथा उन्हें अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

# नीट और मंदिरों में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस का हमला

युवाओं और आस्था दोनों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : विधायक

**नवभारत, शहडोल।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल ने गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए नीट पेपर लीक मामले, युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे कथित खिलवाड़ तथा राम मंदिर सहित विभिन्न धर्म न्यासों में सामने आ रहे कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाया।

वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी एवं बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को तथा जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित और चिंतित है। नीट परीक्षा में हुए कथित पेपर लीक ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के विश्वास को तोड़ने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता संरक्षण और संगठित भ्रष्टाचार के कारण मेहनतकश युवाओं का भविष्य दांव पर लगाया जा रहा है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य की विश्वसनीयता का प्रश्न है। पार्टी ने दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने की मांग की। वार्ता में राम मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों में चढ़ावे और दान राशि के कथित दुरुपयोग तथा धर्म न्यासों में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि आस्था के केंद्रों को राजनीतिक और आर्थिक स्वार्थों का माध्यम बनाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। नेताओं ने मांग की कि धर्म न्यासों के वित्तीय लेन-देन की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था के नाम पर किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा छात्रों, युवाओं, किसानों, मजदूरों और आमजन की आवाज बनकर संघर्ष करती रही है तथा आगे भी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रव्यापी अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। पत्रकार वार्ता में पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे, नीरज द्विवेदी, आजाद बहादुर सिंह, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, नगर अध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, सोहागपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतमदास सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।